



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—SECTION 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 314]	नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 20, 2018/श्रावण 29, 1940
No. 314]	NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 20, 2018/SHRAVANA 29, 1940

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 8 अगस्त, 2018

सं. टीएमपी/29/2018-डीपीटी — महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण, एतद्द्वारा शुल्क कार्गो बर्थों पर डीपीटी के स्वामित्व की 120 टन क्षमता की 2 नग हार्बर चल क्रेनों के, संचालन के साथ समग्र एएमसी सहित, किराया प्रभारों के नियतन के दीनदयाल पत्तन न्यास (डीपीटी) के प्रस्ताव का संलग्न आदेशानुसार, अनुमोदन करता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण
मामला सं. टीएमपी/29/2018-डीपीटी

दीनदयाल पत्तन न्यास

आवेदक

गणपूर्ति

- (i) श्री टी एस बालसुब्रमनियन, सदस्य (वित्त)
- (ii) श्री रजत सच्चर, सदस्य (आर्थिक)

आदेश

(जुलाई, 2018 के 31वें दिन पारित)

यह मामला दीनदयाल पत्तन से प्राप्त प्रस्ताव शुल्क कार्गो बर्थों पर डीपीटी के स्वामित्व की 120 टन क्षमता की 2 नग हार्बर चल क्रेनों के, संचालन के साथ समग्र एएमसी सहित, किराया प्रभारों के नियतन के दीनदयाल पत्तन न्यास (डीपीटी) के प्रस्ताव से संबंधित है।

2. मार्च, 2018 के अपने वर्तमान प्रस्ताव में डीपीटी द्वारा किये गए निवेदनों पर विचार करने से पूर्व, यहां यह उल्लेख करना समीचीन होगा कि इस प्राधिकरण ने डीपीटी द्वारा दायर प्रस्ताव के आधार पर सामान्य उपभोक्त आधार पर कार्गो के प्रहस्तन के लिए 10 वर्ष के अवधि हेतु कांडला पत्तन के भीतर बर्थ सं. 7 से 9 में 100 टन अथवा अधिक के स्वामित्व वाले/किराये पर ली गई 6 मोबाइल हारबर क्रेनों (एचएमसी) की आपूर्ति, संस्थापन, शुरूआत, प्रचालन तथा अनुरक्षण के लिए सेवा प्रदान को लाइसेंस प्रदान करने हेतु

अधिकतम प्रशुल्क के निर्धारण हेतु प्रासमिक पद्धति का अनुपालन करते हुए प्रशुल्क नीति 2015 के अंतर्गत अधिकतम प्रशुल्क का नियतन करते हुए 17 सितंबर 2016 को एक आदेश पारित किया था। उक्त आदेश में, इस प्राधिकरण ने 124 टन एमएचसी के लिए लागत परिकलन के आधार पर दर का अनुमोदन किया। दरमान दरों की अनुसूची के अंतर्गत निर्धारित टिप्पणी संख्या (i) के द्वारा 100 टन एमएचसी की दर भी प्रदान करते हैं। 17 सितंबर, 2016 का आदेश भारत के राजपत्र में 28 सितंबर, 2016 के राजपत्र संख्या 357 में अधिसूचित हुआ था। निर्धारित दर की वैधता 10 वर्ष की अवधि के लिए की गई थी जो आधार वर्ष जनवरी 2016 के साथ दर में सूचकांकन के अधीन थी, जैसा कि टिप्पणियों के खंड (ix) में अनुबद्ध है।

3.1. अब, डीपीटी ने अपने 27 मार्च, 2018 पत्र के द्वारा 5 वर्ष के प्रचालन के साथ समग्र एएमसी के शुल्क कार्गो बर्थों पर डीपीटी के स्वामित्व की 120 टन क्षमता की 2 नग एमएचसी के किराया प्रभारों के नियतन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। डीपीटी ने 17 सितंबर, 2016 के आदेश में निर्धारित दरों को अपनाने का प्रस्ताव किया है क्योंकि वह क्षमता भी 120 टन के निकट की ही है।

3.2. अपने 27 मार्च, 2016 के पत्र में डीपीटी द्वारा उठाये गए मुद्दे इस प्रकार हैं:-

- (i) बोस्टन कंसल्टेंसी ग्रुप (बीसीजी) की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए, आरंभ में सामान्य उपभोक्त आधार पर कार्गो के प्रहस्तन के लिए 10 वर्ष के अवधि हेतु कांडला पत्तन के भीतर बर्थ सं. 7 से 9 में 100 टन अथवा अधिक के स्वामित्व वाले/किराये पर ली गई 6 मोबाइल हारबर क्रेनों (एचएमसी) की आपूर्ति, संस्थापन, शुरुआत, प्रचालन तथा अनुरक्षण के लिए सेवा प्रदान को लाइसेंस प्रदान करने हेतु अधिकतम प्रशुल्क के निर्धारण हेतु का लाइसेंस प्रदान करने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई थीं।

परंतु लगभग एक वर्ष तक किसी बोली लगाने वाले से कोई उत्तर प्राप्त न होने के कारण निविदा को त्याग दिया गया और यह निर्णय लिया गया कि डीपीटी द्वारा 100 टन या अधिक क्षमता की 2 नग एमएचसी खरीदी जाए जिसके लिए पत्तन के न्यासी मंडल ने अपनी 11 नवंबर, 2016 को आयोजित हुई बैठक में 2 नग एमएचसी की खरीद के लिए 94.06 करोड़ रु. के पूंजीगत अनुमान को अनुमोदित किया गया। तदनुसार, जैसा कि बोर्ड ने 12 मई, 2017 की अपनी बैठक में अनुमोदित किया, 2 नग एमएचसी की खरीद के लिए मैसर्स इटालनरू एसआरएल इटली को 22 मई 2017 को आशय-पत्र दिया गया क्रेनों की सुपुर्दगी मार्च 2018 के अंतिम सप्ताह में यह अप्रैल, 2018 के प्रथम सप्ताह में प्रत्याशित है।

- (ii) इससे पहले, प्राधिकरण ने अपने 04 अक्तूबर, 2016 के पत्र संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी के द्वारा सामान्य उपभोक्त आधार पर कार्गो के प्रहस्तन के लिए 10 वर्ष के अवधि हेतु कांडला पत्तन के भीतर बर्थ सं. 7 से 9 में 100 टन अथवा अधिक के स्वामित्व वाले/किराये पर ली गई 6 मोबाइल हारबर क्रेनों (एचएमसी) की आपूर्ति, संस्थापन, शुरुआत, प्रचालन तथा अनुरक्षण के लिए सेवा प्रदान को लाइसेंस प्रदान करने हेतु अधिकतम प्रशुल्क के निर्धारण हेतु को लाइसेंस देने के लिए प्रशुल्क निर्धारण के डीपीटी के प्रस्ताव के अनुमोदन की संसूचना दी थी। लेकिन 100 टन अथवा इससे अधिक क्षमता की एमएचसी के सेवा प्रदाता को लाइसेंस देने की निविदा को छोड़ दिया गया।
- (iii) चूंकि डीपीटी ने 6 गन ग्रेब के साथ 2 नग 120 टन क्षमता की नई एमएचसी की खरीद के लिए पहले ही आदेश दे दिया है, इसलिए नई क्रेनों के प्रशुल्क का अनुमोदन अपेक्षित है। 21 जनवरी, 2015 की अधिसूचना संख्या टीएएमपी/21/2009-डब्ल्यूएस के पैरा 9.2 के अनुसार एमएचसी की दरों के अनुमोदन के लिए प्राधिकरण को शक्ति प्राप्त है।
- (iv) अतः डीपीटी की 120 टन क्षमता की एमएचसी के प्रशुल्क के नियतन के लिए अनुमोदन मांगा जाता है जैसा कि 124 टन क्षमता की एमएचसी के लिए पहले से अनुमोदित और लागू है जो 21 जनवरी 2015 की प्राधिकरण की अधिसूचना के पैरा 9.2 के अनुसार 28 सितंबर 2016 के राजपत्र संख्या 357 में अधिसूचित है। 28 सितंबर, 2016 के आदेश के अनुसार सोपाधिकताओं के साथ प्रस्तावित दरें संलग्न हैं। उक्त प्रस्ताव अध्यक्ष, डीपीटी द्वारा अनुमोदित है परंतु न्यासी मंडल की अभिपुष्टि के अधीन है।

- (v) उक्त को देखते हुए, डीपीटी ने 21 जनवरी, 2015 के आदेश संख्या टीएएमपी/21/2009-डब्ल्यूएस के पैरा 9.2 के अनुसार डीपीटी की 120 टन क्षमता की एमएचसी के लिए अनुलग्नक-III में यथाप्रस्तावित सुविचार करने और अनुमोदित करने का अनुरोध किया है।

3.3. डीपीटी ने 17 सितंबर, 2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी के द्वारा 124 टन एचएमसी के लिए यथाअनुमोदित सोपाधिकताओं के साथ प्रस्तावित प्रारूप दरमान भी प्रस्तुत किए हैं।

3.4. डीपीटी द्वारा प्रस्तावित दरें और सोपाधिकताएं, सितंबर 2016 के आदेश में यथानिर्धारित, इस प्रकार है:-

निजी प्रचालकों द्वारा संस्थापित तथा प्रचालित की जाने वाली 124 टन क्षमता की हारबर मोबाइल क्रेन (एचएमसी) के उपयोग के लिए प्रभार:

- (i) शरेडेड स्क्रैप के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
7996 तक	91.35	54.82
7997	96.16	57.70
7998-8997	100.97	60.59
8998-9997	105.78	63.47

- (ii) परियोजना कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
Upto 4199	181.37	108.82
4200	190.92	114.55
4201-5200	200.47	120.28
5201-6200	210.01	126.01

- (iii) अन्य बल्क कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
13506 तक	56.40	33.84
13507	59.37	35.62
13508-14507	62.34	37.40
14508-15507	65.31	39.18

- (iv) अन्य ब्रेक बल्क कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
6400 तक	119.02	71.41
6401	125.28	75.17
6402-7401	131.54	78.93
7402-8402	137.81	82.69

- (v) हैवी मेल्टिंग स्क्रैप (एचएमएस)

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
4031 तक	181.18	108.71
4032	190.72	114.43

4033-5032	200.26	120.15
5033-6032	209.79	125.87

(vi) ताप कोयले के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
14497 तक	51.68	51.68
14498	54.40	54.40
14499-15498	57.12	57.12
15499-16498	59.84	59.84

(vii) (क) नमक के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
15505 तक	49.12	29.48
15506	51.71	31.03
15507-16506	54.30	32.58
16507-17506	56.88	34.13

(ख) लौह अयस्क के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
15505 तक	48.33	48.33
15506	50.87	50.87
15507-16506	53.41	53.41
16507-17506	55.96	55.96

(viii) खाद्यान्न, पेट कोक, मेट कोक के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
9004 तक	84.60	50.76
9005	89.05	53.43
9006-10005	93.50	56.10
10006-11005	97.96	58.77

(ix) स्टील कोयलों के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
10314 तक	73.85	44.31
10315	77.74	46.64
10316-11315	81.63	48.97
11316-12315	85.51	51.30

(x) जिप्सम, एमओपी, उर्वरक (डीएपी+ यूनिया) के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
12498 तक	60.94	36.57
12499	64.15	38.49
12500-13499	67.36	40.41
13500-14599	70.57	42.34

(xi). लकड़ी के लट्टों के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	विदेशी
3174 तक	238.00	142.80
3175	250.53	150.32
3176-4175	263.06	157.84
4176-5175	275.58	165.35

टिप्पणी:

- (i) 124 टन एचएमसी के लिए दर का निर्धारण दीनदयाल पत्तन न्यास को 100 टन एचएमसी की तैनाती करने से निषिद्ध नहीं करता है। यदि 100 टन एचएमसी की अनुमति दी जाती है तो 100 टन एचएमसी के लिए आधार दर प्रत्येक कार्गो के लिए प्रथम स्लैब में निर्दिष्ट दर है।
- (ii) औसत बर्थ दिवस आउटपुट की गणना के लिए सूत्र निम्नवत् है:-
एचएमसी द्वारा लादी गई/उतारी गई कुल मात्रा X 24 घंटे
 पोत शुरूआत से संपूर्ण होने तक लिया गया कुल समय
- (iii) कार्गो की लदाई/उतराई की शुरूआत से संपूर्ण होने तक पोत के लिए औसत बर्थ दिवस आउटपुट के अनुसार, क्रेन किराया प्रभार की उपयुक्त दर लादे गए/उतारे गए कार्गो की पूर्ण मात्रा के लिए पत्तन उपयोक्ताओं वसूली के लिए चयन की जाएगी।
- (iv) यदि एक एचएमसी दूसरे एएमसी अथवा ईएलएल क्रेनों के साथ कार्य करती है, क्रेन के लिए बर्थ दिवस आउटपुट एचएमसी एचएमसी लोड मीटर द्वारा यथा रिकॉर्ड मात्रा के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।
- (v) एक घंटे से अधिक और पोत के बर्थ छोड़ने तक क्रेन खराब होने की स्थिति में एचएमसी द्वारा प्रहस्तित मात्रा खराबी होने से पहले लदाई/उतराई किए गए कार्गो को क्रेन कार्य घंटों से भाग करते हुए तथा 24 से गुणा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाएगी।
- (vi) एचएमसी पर अनारोप्य कारणों से एक ही बार में दो घंटों से अधिक के लिए एचएमसी का प्रचालन रूकने की स्थिति में, पोत में क्रेन प्रचालन के कुल समय की गणना करते समय क्रेन को उपयुक्त भत्ते की अनुमति दी जाएगी। 2 घंटों से कम के लिए एचएमसी के रूकावटों को उपयुक्त प्रयोजन के लिए विचार में नहीं लिया जाएगा। एचएमसी के कार्य के दौरान लदाई/उतराई प्रचालनों में सभी रूकावटें दैनिक पोत कार्यनिष्पादन रिपोर्ट में पोत के स्टीवडोर द्वारा प्रमाणित किए जाने की आवश्यकता होगी।
- (vii) एचएमसी की खराबी/गैर-निष्पादन की वजह से पोत का स्थानांतरण जरूरी होने की स्थिति में, बर्थ से लंगरगाह तक पोत के स्थानांतरण प्रभार रु. 1,00,000 (रुपए एक लाख केवल) के जुर्माने के अलावा क्रेन प्रचालक से वसूल किए जाएंगे। ऐसे वसूल किए गए स्थानांतरण प्रभार पोत के एजेंट को वापिस किए जाएंगे जबकि जुर्माना पत्तन द्वारा रख लिया जाएगा।
- (viii) औसत आउटपुट पर विवाद होने की स्थिति में, पत्तन न्यास का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

(ix) प्रशुल्क सीमाओं को 1 जनवरी, 2016 तथा प्रासंगिक वर्ष के 1 जनवरी के बीच आने वाले थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भिन्नता के केवल 60% प्रतिशत की सीमा तक ही मुद्रास्फीति से सूचकांकित किया जाएगा। प्रशुल्क सीमाओं का ऐसा स्वतः समायोजन प्रत्येक वर्ष किया जाएगा तथा समायोजित प्रशुल्क सीमाएं प्रासंगिक वर्ष के 1 अप्रैल से आगामी वर्ष के 31 मार्च तक प्रभावी रहेंगी।

(x) अनुमोदित दरें डीपीटी की प्रशुल्क की दरों के अगले संशोधन के अनुमोदन होने तक लागू रहेंगी।

[27.03.2018 के डीपीटी के प्रस्ताव में पांच वर्ष की परियोजना का उल्लेख किया गया है।]

4. डीपीटी के 27 मार्च, 2018 के डीपीटी के प्रस्ताव की पावती देने से पूर्व, हमारे 17 अप्रैल, 2018 के पत्र के द्वारा डीपीटी को कुछ मुद्दों पर 23 अप्रैल, 2018 तक दस्तावेज़/स्पष्टीकरण भेजने के अनुरोध किया गया था। प्रत्युत्तर में, डीपीटी ने 23 अप्रैल, 2018 के अपने ई-मेल द्वारा अपना उत्तर भेजा। हमारे द्वारा मांगे गए दस्तावेज़/स्पष्टीकरण और डीपीटी द्वारा प्रस्तुत उत्तर का सारांश नीचे सारणीबद्ध किया जाता है:-

क्र.सं.	हमारे द्वारा मांगी गई सूचना/स्पष्टीकरण	डीपीटी द्वारा दिया गया उत्तर
(i)	डीपीटी का विषयक प्रस्ताव प्रचालन के साथ समग्र एएमसी सहित, शुष्क कार्गो बर्थों पर 2 नग 120 टन क्षमता की एचएमसी की डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, जांच, चालू करना और प्रचालन की 5 वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस की मंजूरी संबंध में किराया प्रभारों का अनुमोदन चाहता है। जैसा डीपीटी बताया है, इस प्राधिकरण ने इस प्राधिकरण ने डीपीटी द्वारा दायर प्रस्ताव के आधार पर सामान्य उपभोक्त आधार पर कार्गो के प्रहस्तन के लिए 10 वर्ष के अवधि हेतु कांडला पत्तन के भीतर बर्थ सं. 7 से 9 में 100 टन अथवा अधिक के स्वामित्व वाले/किराये पर ली गई 6 मोबाइल हारबर क्रेनों (एचएमसी) की आपूर्ति, संस्थापन, शुरूआत, प्रचालन तथा अनुरक्षण के लिए सेवा प्रदान को लाइसेंस प्रदान करने हेतु अधिकतम प्रशुल्क के निर्धारण हेतु प्रासंगिक पद्धति का अनुपालन करते हुए प्रशुल्क नीति 2015 के अंतर्गत अधिकतम प्रशुल्क का नियतन करते हुए 17 सितंबर 2016 को एक आदेश पारित किया था। दरमान के अंतर्गत निर्धारित टिप्पणी संख्या (i) के द्वारा 100 टन एमएचसी की दर भी प्रदान करते हैं। निर्धारित दर की वैधता 10 वर्ष की अवधि के लिए की गई थी। सूचकांकन के अधीन थी, जैसा कि टिप्पणियों के खंड (ix) में अनुबद्ध है। अब पत्तन ने अब 124 टन एमएचसी के लिए 17 सितंबर 2016 के आदेश में पहले से यथाअनुमोदित दरों को 120 टन एमएचसी के लिए अपनाने के लिए दरों का अनुमोदन चाहा है। इस संबंध में निम्नलिखित मुद्दों पर सूचना / स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।	--
(क)	(i) उक्त प्रस्ताव के हवाले से कार्यकारी दिशानिर्देशों के खंड 5.7.1 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है। कार्यकारी दिशानिर्देशों के खंड 5.7.1 के अनुसार, पत्तनों द्वारा अधिकृत सेवा प्रदायकों द्वारा प्रभारों के विनियमन के लिए यदि किसी विशिष्ट सेवा/सुविधा के लिए संबंधित पत्तन में अधिकतम प्रशुल्क निर्धारित नहीं है तो पत्तनों को उनमें दी गई विभिन्न विधियों के अंतर्गत प्रस्ताव दायर करने की आवश्यकता होती है। (ii) जैसा अतिरिक्त, 17.09.2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी के पैरा 9.3 के अनुसार इस प्राधिकरण द्वारा 124 टन एमएचसी के लिए अनुमोदित दर अधिकतम दर है और पत्तन में यह बिना किसी विशिष्ट सेवा प्रदाता के हवाले से समान सुविधा/सेवा के लिए समान रूप से लागू होगी। (iii) जैसा ऊपर के पैरा में बताया गया है कि 17.09.2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी द्वारा अनुमोदित 124 टन एचएमसी के किराया प्रभार समान प्रयोक्ता आधार पर दर के	इस प्राधिकरण द्वारा 17.09.2016 के आदेश में, 29.09.2016 की राजपत्र अधिसूचना संख्या 357 द्वारा अधिसूचित अनुमोदित दरें समान प्रयोक्ता आधार पर बल्क और ब्रेक बल्क कार्गो के प्रहस्तन के लिए दिये जाने वाले लाइसेंस आधार पर 124 एमटी एचएमसी के लिए थीं। जबकि, डीपीटी का वर्तमान प्रस्ताव, 21.01.2015 की प्राधिकरण की अधिसूचना के पैरा 9.2 के अनुसार पत्तन स्वामित्व की 120 टन एमएचसी के लिए 17.09.2016 के आदेश में पहले से अनुमोदित दरों को अपनाये जाने का है।

	सूचकांकन के अधीन 10 वर्ष की अवधि के लिए वैध हैं। डीपीटी का प्रस्ताव उसी दर को 120 टन एचएमसी के लिए 5 वर्ष की अवधि के लिए अपनाने का है। जब 124 टन क्षमता की एचएमसी के लिए वैध एचएमसी दर उपलब्ध है, तो उसी दर को 120 टन एचएमसी के लिए अलग से अनुमोदन प्राप्त करने का प्रस्ताव दायर करने का कारण स्पष्ट नहीं है।	
(ख)	इसलिए डीपीटी यह स्पष्ट करे कि क्या प्रस्तावित 120 टन एचएमसी के लिए उत्पादकता, पूंजीगत लागत, प्रचालन लागत, और एआरआर 124 टन एचएमसी के प्रशुल्क निर्धारण के 17.09.2016 के आदेश संख्या टीएएमपीकेपीटी में -2016/32/दकतासुविचारित उत्पा, पूंजीगत लागत, प्रचालन लागत और एआरआर से भिन्न है। यदि हां तो डीपीटी संबंधित लागत विवरण, और प्रारूप दरमान के साथ प्रस्ताव दायर करे।	यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रस्तावित 120 टन एचएमसी के लिए उत्पादकता, पूंजीगत लागत, प्रचालन लागत और एआरआर 124 टन एचएमसी के लिए प्रशुल्क निर्धारण के 17.09.2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी में सुविचारित उत्पादकता, पूंजीगत लागत, प्रचालन लागत और एआरआर के लगभग समान ही है।
(ग)	डीपीटी के प्रस्ताव को आगे संसाधन के लिए पत्तन से बांझित स्पष्टीकरण प्राप्त हो जाने पर ही विचार किया जायेगा।	यह अनुरोध किया जाता है कि, प्रस्तावित दरों को 27.03.2018 के पत्र में यथाप्रस्तावित 5 वर्ष की अवधि के स्थान पर डीपीटी के दरमानों के आगामी सामान्य संशोधन की अवधि तक के लिए अनुमोदित किया जाए क्योंकि क्रेने डीपीटी के स्वामित्व में हैं। उन पर डीपीटी के दरमानों के अगले सामान्य संशोधन में समीक्षा के लिए सुविचार में लिया जायेगा जो 01.04.2016 से अपेक्षित है।

5. निर्धारित परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार, 27 मार्च, 2018 के डीपीटी के प्रस्ताव की एक प्रति हमारे 27 अप्रैल, 2018 के पत्र के द्वारा संबंधित प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता संगठनों को उनकी टिप्पणियों के लिए भेजी गई। हमें कांडला स्टीवडोर एसोसिएशन लिमिटेड (केएसएएल) के 11 मई 2018 के ई-मेल से प्राप्त टिप्पणियों के अतिरिक्त किसी से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई। केएसएएल से प्राप्त टिप्पणियों को फीडबैक सूचना के तौर पर डीपीटी को भेज दिया गया। डीपीटी ने 27 जून, 2018 के अपने ई-मेल के द्वारा केएसएएल की टिप्पणियों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

6. संदर्भाधीन मामले में डीपीटी परिसर में 11 जून, 2018 को संयुक्त सुनवाई का आयोजन किया गया। डीपीटी ने अपने प्रस्ताव का पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण दिया। संयुक्त सुनवाई में डीपीटी और संबंधित प्रयोक्ताओं और प्रयोक्ता संगठनों ने अपने-अपने निवेदन रखे।

7.1. संयुक्त सुनवाई के पश्चात्, डीपीटी ने 27 जून, 2018 के अपने ई-मेल द्वारा अपने पूर्व के प्रस्ताव में प्रस्तावित सोपाधिकताओं में कुछ आशोधनों का प्रस्ताव किया। डीपीटी द्वारा किये गए आशोधन इस प्रकार हैं:-

- (i) टिप्पणी (vi) एचएमसी को आरोप्य नहीं कारणों के लिए लगातार 2 घंटे से अधिक एचएमसी के प्रचालन के रूकने पर कैसे क्रेन प्रचालन घंटों का परिकलन किया जाये से संबंधित है। उक्त टिप्पणी अनुबद्ध करती है कि एचएमसी के कार्य करने के दौरान लदान/उतरायी प्रचालनों के दौरान रूकने की सभी अवधियां पोत के स्टीवडोर द्वारा प्रमाणित की जानी अपेक्षित हैं। डीपीटी ने “पोत के स्टीवडोर” के स्थान पर “डीपीटी अधिकारियों” का प्रतिस्थापन किया है।
- (ii) प्रस्तावित टिप्पणी संख्या (vii) बताया है कि एचएमसी की खराबी/गैर-निष्पादन की वजह से पोत का स्थानांतरण जरूरी होने की स्थिति में, बर्थ से लंगरगाह तक पोत के स्थानांतरण प्रभार रु. 1,00,000 (रुपए एक लाख केवल) के जुर्माने के अलावा क्रेन प्रचालक से वसूल किए जाएंगे। ऐसे वसूल किए गए स्थानांतरण प्रभार पोत के एजेंट को वापिस किए जाएंगे जबकि जुर्माना पत्तन द्वारा रख लिया जाएगा।

अब डीपीटी ने उक्त टिप्पणी का यह कहते हुए आशोधित करने का प्रस्ताव किया है कि एचएमसी के खराब होने/निष्पादन न करने पर पोत का बर्थ से अन्य बर्थ/लंगरगाह को स्थानांतरित करना आवश्यक हो जाने पर पत्तन द्वारा कोई स्थानांतरण प्रभार नहीं लिया जायेगा। प्रस्तावित आशोधन इसलिए है कि एचएमसी अब पत्तन के स्वामित्व में हैं और पत्तन द्वारा परिचालित की जाती है।

7.2. तत्पश्चात् डीपीटी ने अपने 28 जून 2018 के ई-मेल द्वारा सितंबर, 2016 में अनुमोदित दरों को 1.20% के सूचकांकन के साथ, यानी एमएचसी के किराया प्रभारों की अपनानी गई दरमान अनुसूची की टिप्पणी संख्या (ix) के अनुरूप इस प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2017-18 के लिए घोषित डब्ल्यूपीआई सूचकांकन के 60% का 2%, अद्यतन करते हुए संशोधित प्रस्तावित दरें प्रस्तुत की हैं।

7.3. डीपीटी ने अपने 02 जुलाई, 2018 के अपने ई-मेल के द्वारा आगे यह और बताया है कि 2 नग एमएचसी 07 मई 2018 से चालू कर दी गई हैं। अतः डीपीटी ने अनुरोध किया है कि अनुमोदित प्रशुल्क 07 मई 2018 से प्रभावी किया जाये।

7.4. डीपीटी ने 04 जुलाई 2018 के अपने ई-मेल के द्वारा यह भी बताया है कि डीपीटी ने न्यासी मंडल ने 28 मार्च, 2018 को हुई अपनी बैठक में संकल्प संख्या 138 के द्वारा 124 टन एमएचसी के लिए लागू 17 सितंबर, 2016 के आदेश के द्वारा प्राधिकरण द्वारा पहले से अनुमोदित प्रशुल्क को डीपीटी की 2 नग 120 टन एमएचसी के लिए अपनाये जाने का प्रस्ताव प्राधिकरण को प्रस्तुत करने संबंधी की गई कार्रवाई की अभिपुष्टि की और प्रशुल्क निर्धारण का प्राधिकरण का अनुमोदन प्राप्त होने तक प्राधिकरण द्वारा पहले से अनुमोदित दरों को अंतरिम तौर पर, यथोपरि, अपनाने का अनुमोदन भी किया। डीपीटी द्वारा बोर्ड के संकल्प संख्या 138 के संगत उद्धरण भी प्रस्तुत किये हैं।

8. इस मामले में परामर्श से संबंधित कार्यवाहियां इस प्राधिकरण के कार्यालय के रिकार्ड में उपलब्ध है। संबंधित पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए तर्कों का सार-संक्षेप संबंधित पक्षकारों को अलग से भेजा जाएगा। यह ब्यौरा हमारी वेबसाइट <http://tariffauthority.gov.in> पर भी उपलब्ध कराया जाएगा।

9. इस मामले के संसाधन के दौरान एकत्र की गई सूचना की समग्रता के संदर्भ से, निम्नलिखित स्थिति उभर कर सामने आती है:-

- (i) दीन दयाल पत्तन (डीपीटी) का प्रस्ताव प्राधिकरण के 17 सितंबर, 2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी में अनुमोदित प्रशुल्क को अपनाते हुए शुष्क कार्गो बर्थों में डीपीटी के स्वामित्व की 120 टन क्षमता की 2 नग हार्बर मोबाइल क्रेनों (एमएचसी) के लिए किराया प्रभार निर्धारित करने का है।

जैसा कि वास्तविक स्थिति में पहले ही बताया गया है, डीपीटी ने पहले प्रशुल्क दिशानिर्देश 2008 के सिद्धांतों के अनुसार प्रशुल्क नीति 2015 के अनुसरण के अंतर्गत प्रस्ताव दायर किया था जो इस प्राधिकरण ने डीपीटी द्वारा दायर प्रस्ताव के आधार पर सामान्य उपभोक्त आधार पर कार्गो के प्रहस्तन के लिए 10 वर्ष के अवधि हेतु कांडला पत्तन के भीतर बर्थ सं. 7 से 9 में 100 टन अथवा अधिक के स्वामित्व वाले/किराये पर ली गई 6 मोबाइल हारबर क्रेनों (एचएमसी) की आपूर्ति, संस्थापन, शुरुआत, प्रचालन तथा अनुरक्षण के लिए सेवा प्रदान को लाइसेंस प्रदान करने हेतु अधिकतम प्रशुल्क के निर्धारण हेतु प्रासमिक पद्धति का अनुपालन करते हुए प्रशुल्क नीति 2015 के अंतर्गत अधिकतम प्रशुल्क का नियतन करते हुए 17 सितंबर 2016 को एक आदेश पारित किया था। डीपीटी द्वारा दायर प्रस्ताव के आधार पर इस प्राधिकरण ने 124 अन एमएचसी की आपूर्ति, संस्थापन, चालू करने, प्रचालन और अनुरक्षण के लिए अधिकतम प्रशुल्क निर्धारित करते हुए 17 सितंबर, 2016 को आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी पारित किया था। उक्त आदेश में अनुमोदित दरों की वैधता अक्टूबर, 2026 तक 10 वर्षों की अवधि के लिए थी जो 01 जनवरी, 2016 के आधार वर्ष के साथ डब्ल्यूपीआई के 60% की निर्धारित दर के सूचकांकन के अधीन थी।

अनुमोदित दर के आधार पर पत्तन ने विविदाएं आमंत्रित की। लेकिन, लगभग 1 वर्ष तक किसी बोलीदाता से कोई प्रत्युत्तर न मिलने पर डीपीटी ने निविदा को छोड़ दिया। पत्तन ने, न्यासी मंडल के अनुमोदन से 120 टन क्षमता की 2 नग एमएचसी की खरीद की। उक्त क्रेने 07 मई, 2018 से प्रचालन में बतायी गई हैं और डीपीटी ने 07 मई 2018 से प्रस्तावित दर का अनुमोदन चाहा है।

इसलिए डीपीटी ने डीपीटी के स्वामित्व की 120 टन क्षमता की एचएमसी के लिए 124 टन एमएचसी हेतु 17 सितंबर 2016 के इस प्राधिकरण के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी द्वारा निर्धारित अधिकतम प्रशुल्क को अपनाये जाने के लिए प्रशुल्क अनुमोदन का प्रस्ताव किया है।

- (ii) (क) प्रशुल्क नीति 2015 को प्रभावी करने के लिए इस प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित कार्यकारी दिशानिर्देशों के खंड 5.7.1 के अनुसार संबंधित महापत्तन न्यास, कथित नये कार्गो सेवाओं ऐसी ही कार्गो/उपकरण/सेवा के लिए किसी अन्य महापत्तन न्यास में निर्धारित हो, अपना सकता है। यदि यह विकल्प उपलब्ध नहीं है जो प्रस्तावित नये कार्गो/सेवा सुविधा से मेल खाती उपलब्ध नहीं है तो पत्तन, दिशानिर्देश 2008 के सिद्धांतों या क्षमता मूल्यांकन या सेवा कि तकनीकी क्षमता के आधार पर प्रशुल्क अधिसूचित करने के लिए 16 प्रतिशत प्रतिफल के आधार पर दरों का प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकता है।

- (ख) डीपीटी दरमानों में पत्तन स्वामित्व की 60 टन क्षमता की एमएचसी के लिए दर निर्धारित है। पत्तन स्वामित्व की 120 टन क्षमता की एमएचसी के लिए डीपीटी के दरमानों में कोई दर निर्धारित नहीं है। सितंबर, 2016 के आदेश में 124 टन एचएमसी के लिए अनुमोदित किराया प्रभार एमएचसी तैनात करने के लिए पत्तन द्वारा अधिकृत सेवा प्रदाता के लिए है। चूंकि इस परियोजना ने मूर्त रूप नहीं लिया, पत्तन ने स्वयं ही 120 टन क्षमता की दो नग एचएमसी खरीद लीं। पत्तन ने सितंबर 2016 में पहले से अनुमोदित दर को अपनाने के लिए प्रशुल्क का अनुमोदन चाहा है। यह दर प्रशुल्क दिशानिर्देश 2008 के सिद्धांतों के अनुसार और प्रासमिक आधार पर हैं। कार्यकारी दिशानिर्देशों का खंड 5.7.1 नई सेवा/कार्गो के लिए प्रशुल्क का प्रस्ताव करते समय पत्तन से निष्पादन मानक भी निर्धारित करने की अपेक्षा करता है। इस संबंध में, यह बताया जाता है कि डीपीटी ने 17 सितंबर, 2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी में निर्धारित सूची को अपनाते हुए निष्पादन संबंध प्रशुल्क ढांचे का प्रस्ताव किया है। डीपीटी का प्रस्ताव नई सुविधा/ सेवा के लिए कार्यकारी दिशानिर्देशों के खंड 5.7.1 में निर्धारित विकल्पों में फिट बैठता है। अतः यह प्राधिकरण डीपीटी के प्रस्ताव को सुविचार करने को प्रवृत्त है। संयोगवश, 17 सितंबर, 2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/32/2016-केपीटी द्वारा निर्धारित प्रशुल्क को अपनाने के डीपीटी के प्रस्ताव पर किसी भी प्रयोक्ता संगठन ने प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की है। कांडला स्टीवडोर एसोसिएशन लिमिटेड (केएसएएल) ने कुछ टिप्पणियां की थीं जो दांडिक खंड के बारे में थीं जिन पर आगामी पैराओं में चर्चा की जायेगी।
- (iii) डीपीटी ने 27 मार्च, 2018 के मूल प्रस्ताव में, 17 सितंबर, 2016 के प्रशुल्क आदेश में यथानिर्धारित दरों और सोपाधिकताओं के समान प्रस्ताव किया था। बाद में, मामले के संसाधन के दौरान, डीपीटी ने कुछेक आशोधन किये, जिन पर निम्नवत् चर्चा की जा रही है:-
- (क) इस प्राधिकरण द्वारा 17 सितंबर, 2016 के आदेश संख्या टीएएमपी/323/2016-केपीटी के द्वारा 124 टन एमएचसी के लिए अनुमोदित प्रशुल्क अनुसूची में, टिप्पणी संख्या (ix) निर्धारित करती है कि यह दरें 01 जनवरी 2016 के आधार वर्ष के साथ डब्ल्यूपीआई के 60% पर सूचकांकित होंगी। चूंकि उक्त आदेश में डब्ल्यूपीआई के लिए सूचकांकन का आधार वर्ष 10 जनवरी, 2016 के रूप में निर्धारित है, डीपीटी ने, अपने 28 जून, 2018 के ई-मेल के द्वारा, 1.20 वृद्धि लागू करने के पश्चात् सूचकांकित दर का प्रस्ताव किया है अर्थात् वर्ष 2017-18 के लिए प्रशुल्क नीति 2015 के अंतर्गत महापत्तनों के लिए इस प्राधिकरण द्वारा घोषित वार्षिक वृद्धि कारक का 60% के 2%। वर्ष 2018-19 के लिए इस प्राधिकरण ने शून्य सूचकांकन की घोषणा की है।
- इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित दरों पर जनवरी, 2016 के आधार वर्ष के साथ 1.20% का सूचकांकन लागू करते हुए डीपीटी द्वारा प्रस्तावित सूचकांकित दर सही पाई गई है। इसलिए डीपीटी द्वारा सितंबर 2016 में अनुमोदित दर की प्रस्तावित कार्गो-वार सूचकांकित दर अनुमोदित की जाती है।
- (ख) इस प्राधिकरण द्वारा सितंबर 2016 के आदेश में निर्धारित टिप्पणी संख्या (vi) एचएमसी को आरोप्य नहीं कारणों के लिए लगातार 2 घंटे से अधिक एचएमसी के प्रचालन के रूकने पर कैसे क्रेन प्रचालन घंटों का परिकलन किया जाये से संबंधित है। उक्त टिप्पणी अनुबद्ध करती है कि एचएमसी के कार्य करने के दौरान लदान/उतरायी प्रचालनों के दौरान रूकने की सभी अवधियां पोत के स्टीवडोर द्वारा प्रमाणित की जानी अपेक्षित हैं। “पोत के स्टीवडोर” शब्दों को शब्द “डीपीटी के अधिकारियों” से प्रतिस्थापित किया जाता है, क्योंकि अब डीपीटी आउटसोर्स संविदा के द्वारा एचएमसी का प्रचालन स्वयं करने जा रहा है। उक्त आशोधन उपयुक्त है और इसलिए डीपीटी द्वारा यथाप्रस्तावित अनुमोदित किया जाता है।
- (ग) सितंबर 2016 के आदेश में निर्धारित टिप्पणी संख्या (vii) अनुबद्ध करता है कि एचएमसी की खराबी/गैर-निष्पादन की वजह से पोत का स्थानांतरण जरूरी होने की स्थिति में, बर्थ से लंगरगाह तक पोत के स्थानांतरण प्रभार रु. 1,00,000 (रुपए एक लाख केवल) के जुमनि के अलावा क्रेन प्रचालक से वसूल किए जाएंगे। ऐसे वसूल किए गए स्थानांतरण प्रभार पोत के एजेंट को वापिस किए जाएंगे जबकि जुर्माना पत्तन द्वारा रख लिया जाएगा। अब डीपीटी ने उक्त टिप्पणी पर केएसएएल द्वारा उठायी गई आपत्ति को ध्यान में रखते हुए कथित टिप्पणी संख्या (vii) को आशोधित करने का प्रस्ताव किया है। इसलिए उक्त आशोधन डीपीटी द्वारा यथाप्रस्तावित अनुमोदित किया जाता है। अब डीपीटी ने उक्त टिप्पणी का यह कहते हुए आशोधित करने का प्रस्ताव किया है कि एचएमसी के खराब होने/निष्पादन न करने पर पोत का बर्थ से

अन्य बर्थ/लंगरगाह को स्थानांतरित करना आवश्यक हो जाने पर पत्तन द्वारा कोई स्थानांतरण प्रभार नहीं लिया जायेगा। प्रस्तावित आशोधन इसलिए है कि एचएमसी अब पत्तन के स्वामित्व में हैं और पत्तन द्वारा परिचालित की जाती है। इसलिए उक्त आशोधन डीपीटी द्वारा यथाप्रस्तावित अनुमोदित किया जाता है।

- (घ) 124 टन एचएमसी के संदर्भ प्रशुल्क अनुमोदन का सितंबर 2016 के आदेश की टिप्पणी संख्या (x) अनुबद्ध करती है कि अनुमोदित दर सूचकांकन के अधीन 10 वर्ष के लिए प्रभावी रहेगी। डीपीटी ने उक्त आदेश से दरे अपनाते समय टिप्पणी संख्या (x) को भी आशोधित करने का प्रस्ताव किया। डीपीटी द्वारा आशोधित प्रस्ताव यह है कि अनुमोदित दर, डीपीटी द्वारा पहले प्रस्तावित 5 वर्ष के स्थान पर, डीपीटी के प्रशुल्क के दरमानों के आगामी सामान्य संशोधन के अनुमोदन तक प्रभावी रहेंगी।

पत्तन के लिए समग्र रूप से डीपीटी के वर्तमान सामान्य 31 मार्च, 2019 तक वैध हैं। बताते हुए कि पत्तन के स्वामित्व की एचएमसी डीपीटी के सामान्य दरमान का हिस्सा बन जायेगी, जो 01 अप्रैल 2019 से संशोधन के लिए अपेक्षित है, पत्तन ने 124 टन एचएमसी की दर की निर्धारित वैधता को दरमानों के आगामी संशोधन तक आशोधित टिप्पणी का प्रस्ताव किया है ताकि वे दरमानों के साथ इस मद की समीक्षा भी कर सकें।

सामान्यतः इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित दरों की वैधता तीन वर्ष की अवधि के लिए होती है। वर्तमान मामले में डीपीटी ने एचएमसी को 5 वर्ष की अवधि के लिए संविदा पर प्रचालन और समग्र अनुरक्षण के लिए दे दिया है।

यह उल्लेख करना समीचीन होगा कि केओपीटी ने लाइसेंस आधार पर प्लवमान क्रेन सुविधा के लिए प्रशुल्क प्रस्ताव में प्रशुल्क की वैधता का प्रस्ताव सूचकांकन के अधीन 15 वर्ष की अवधि के लिए किया था ताकि दर में स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। इसी प्रकार, एनएमपीटी में, इस प्राधिकरण ने अधिकृत सेवा प्रदाता द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले 100 टन एचएमसी के किराया प्रभारों का भी अनुमोदन किया था। एनएमपीटी ने, यह कहते हुए कि एचएमएचएमसी की अनुमोदित दर की वैधता अवधि समाप्त हो गई है, अनुमोदित दर का विस्तार संविदा के समाप्त होने तक किया जाये। एनएमपीटी का प्रस्ताव अलग से संसाधित किया जा रहा है। उक्त स्थिति के आधार पर और यह मान्य करते हुए कि डीपीटी को इस एचएमसी को एचएमसी के अनुरक्षण और परिचालन को पांच वर्ष की अवधि के संविदा पर देकर प्रचालित कराने का प्रस्ताव है यह उपयुक्त होगा कि एचएमसी के प्रचालन की वैधता को वार्षिक सूचकांकन के अधीन 5 वर्ष की संविदा अवधि के साथ सह-समाप्य अनुमोदित किया जाये, जैसा कि आगामी पैराओं में चर्चा की गई है ताकि, एचएमसी की दर में स्थिरता बनी रहे।

- (ङ) सितंबर, 2016 के आदेश में टिप्पणी संख्या (ix) वर्ष जनवरी 2016 के आधार वर्ष के साथ निर्धारित दर के डब्ल्यूपीआई के 60% पर सूचकांकन अनुबद्ध करती है। डीपीटी ने ऊपर आशोधित टिप्पणी (x) को देखते हुए उक्त टिप्पणी को विलुप्त करने का प्रस्ताव किया है क्योंकि डीपीटी ने प्रस्तावित दर की वैधता का दरमानों के अगले सामान्य संशोधन तक प्रस्ताव किया है यानी 31 मार्च, 2019 तक। पूर्व के पैराओं में दिये गए कारणों को देखते हुए, अनुमोदित दर की वैधता 5 वर्ष की अवधि के लिए निर्धारित की जा रही है। ऐसा है, इसलिए सितंबर, 2016 के आदेश में डब्ल्यूपीआई के 60% पर निर्धारित दर के सूचकांकन से संबंधित टिप्पणी को जनवरी 2018 के आधार वर्ष के साथ दरमान में निर्धारित किया जाता है। सूचकांकन के लिए आधार वर्ष का जनवरी 2018 के रूप में निर्धारण किया जाता है क्योंकि सितंबर, 2016 के आदेश में अनुमोदित दरे सूचकांकित हो चुकी हैं और और उन्हें लागू सूचकांकन का प्रयोग करते हुए जनवरी 2018 के आधार वर्ष पर लाया गया है।

- (iv) (क) दा केएसएल ने इंगित किया है कि पोत द्वारा खराब किये गए समय के लिए और एचएमसी के न्यूननिष्पादन/खराब हो जाने पर बर्थ किराया प्रभारों में कोई दंडिक उपबंध नहीं है।

डीपीटी ने बताया है कि डीपीटी और क्रेन प्रचालक के बीच संविदा में क्रेन की अनुपलब्धता और विनिर्दिष्ट निष्पादन मानक प्राप्त न करने के मामले में दंड के उपबंध मौजूद हैं। डीपीटी और आऊटसोर्सिंग पक्ष के बीच संविदा के उपबंध उन दोनों के बीच हैं और यह प्राधिकरण संविदा के निबंधनों से संबंधित नहीं है। डीपीटी द्वारा उठाया गया अधिक प्रासंगिक मुद्दा कि पोत के विलंब और किये गए बर्थ किराये के लिए

पोत/पोत एजेंट का संरक्षण है और डीपीटी के दरमानों के अध्याय 2 के खंड 3.1 ख के अंतर्गत टिप्पणी संख्या 5 में पहले से निर्धारित है। उक्त टिप्पणी उल्लेख करती है कि उस अवधि के लिए कोई बर्थ किराया प्रभार प्रभारित नहीं किया जायेगा जब पत्तन के उपस्कर के खराब होने या बिजली गुल हो जाने या पत्तन को आरोप्य किन्हीं अन्य कारणों से पोत बर्थ पर बेकार खड़ा रहता है। इस प्रकार के एचएएल द्वारा उठाये गए मुद्दे का इससे समाधान हो जाता है।

- (ख) जहां तक आऊटसोर्स ठेकेदार पर शस्तियों के निर्धारण के लिए के एसएएल द्वारा उठाये गए मुद्दे का संबंध है, डीपीटी ने स्पष्ट किया है कि क्रेन का स्वामित्व और प्रचालन डीपीटी के पास है। क्रेन प्रचालक को दिये गए संविदा में न्यून-निष्पादन के लिए दंड और उत्तन निष्पादन के लिए प्रोत्साहन का उपबंधन किया गया है। इसलिए, डीपीटी दरमान में किसी अन्य उपबंध का निर्धारण जरूरी नहीं समझता।
- (ग) केएसएएल ने यह उल्लेख किया है कि डीपीटी सितंबर 2015 में व्यापार को जारी उस परिपत्र के आधार पर मानदंडों का निष्पादन प्राप्त न करने पर दांडिक प्रभार वसूलता है जिसको इस प्राधिकरण का अनुमोदन प्राप्त नहीं है। डीपीटी के एसएएल द्वारा उठाये गए मुद्दे के संदर्भ में इसका परीक्षण करे और यदि आवश्यक हो और यदि यह मामला महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 48 के अंतर्गत आता है तो इस प्राधिकरण अनुमोदन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त प्रस्ताव दायर करे।
- (घ) सामान्यतः इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित दरें भारत के राजपत्र में दरमानों की अधिसूचना की तारीख से 30 दिन की समाप्ति से प्रभावी होती हैं। प्रासंगिक मामले में, डीपीटी ने उल्लेख किया है कि एमएचसी का प्रचालन 07 मई 2018 से आरंभ हो गया है और इसलिए डीपीटी ने 07 मई, 2018 से अनुमोदन चाहा है। डीपीटी द्वारा किये गए निवेदन को देखते हुए, अनुमोदित दर 07 मई, 2018 से प्रभावी की जाती है, जैसा डीपीटी ने प्रस्ताव किया है। दर की वैधता पूर्व के पैराओं में दिये गए कारणों से 5 वर्ष की अवधि के लिए निर्धारित की जाती है।

10.1. परिणाम में, और ऊपर दिये गए कारणों से तथा सामूहिक विचार-विमर्श के आधार पर डीपीटी के स्वामित्व की शुष्क कागों बर्थों पर लगी 120 टन क्षमता की 2 नग एमएचसी के किराया प्रभारों की सूचकांकित अधिकतम प्रशुल्क अनुसूची अनुमोदित की जाती है जो **अनुलग्नक** के रूप में संलग्न है।

10.2. अनुमोदित दरें 07 मई 2018 से प्रभावी होंगी और 5 वर्ष की अवधि के लिए वैध रहेंगी।

टी. एस. बालासुब्रमनियन, सदस्य (वित्त)

[विज्ञापन-III/4/असा./189/18]

अनुलग्नक (क)

(07 मई 2018 से प्रभावी और 31 जुलाई, 2018 तक वैध)

दीनदयाल पत्तन न्यास
दरमान

निजी प्रचालकों द्वारा संस्थापित तथा प्रचालित की जाने वाली 120 टन क्षमता की हारबर मोबाइल क्रेन (एचएमसी) के उपयोग के लिए प्रभार:

- (i) कतरन कबाड के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
7996 तक	92.45	55.48
7997	97.31	58.39
7998-8997	102.18	61.32
8998-9997	107.05	64.23

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 9997 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(ii) परियोजना कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
4199 तक	183.55	110.13
4200	193.21	115.92
4201-5200	202.88	121.72
5201-6200	212.53	127.52

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 6200 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(iii) अन्य बल्क कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
13506 तक	57.08	34.25
13507	60.08	36.05
13508-14507	63.09	37.85
14508-15507	66.09	39.65

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 15507 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(iv) अन्य ब्रेक बल्क कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
6400 तक	120.45	72.27
6401	126.78	76.07
6402-7401	133.12	79.88
7402-8402	139.46	83.68

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 8402 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(v) भारी गलनांक कवाड (एचएमएस)

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
4031 तक	183.35	110.01
4032	193.01	115.80
4033-5032	202.66	121.59
5033-6032	212.31	127.38

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 6032 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(vi) ताप कोयले के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
14497 तक	52.30	52.30
14498	55.05	55.05
14499-15498	57.81	57.81
15499-16498	60.56	60.56

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 16498 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(vii) (क) तमक के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
15505 तक	49.71	29.83
15506	52.33	31.40
15507-16506	54.95	32.97
16507-17506	57.56	34.54

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 17506 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(ख) लौह अयस्क के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
15505 तक	48.91	48.91
15506	51.48	51.48
15507-16506	54.05	54.05
16507-17506	56.63	56.63

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 17506 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(viii) खाद्यान्न, पेट कोक, मेट कोक के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
9004 तक	85.62	51.37
9005	90.12	54.07
9006-10005	94.62	56.77
10006-11005	99.14	59.48

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 11005 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(ix). स्टील कायलों के लिए

औसत दैनिक केन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
10314 तक	74.74	44.84
10315	78.67	47.20
10316-11315	82.61	49.56
11316-12315	86.54	51.92

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 12315 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(x) जिप्सम, एमओपी, उर्वरक (डीएपी+ यूनिया) के लिए

औसत दैनिक केन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
12498 तक	61.67	37.01
12499	64.92	38.95
12500-13499	68.17	40.89
13500-14599	71.42	42.85

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 14599 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(xi) लकड़ी के लट्टों के लिए

औसत दैनिक केन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
3174 तक	240.86	144.51
3175	253.54	152.12
3176-4175	266.22	159.73
4176-5175	278.89	167.33

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 5175 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

टिप्पणी:

- (i) 120 टन एचएमसी के लिए दर का निर्धारण दीनदयाल पत्तन न्यास को 100 टन एचएमसी की तैनाती करने से निषिद्ध नहीं करता है। यदि 100 टन एचएमसी की अनुमति दी जाती है तो 100 टन एचएमसी के लिए आधार दर प्रत्येक कार्गो के लिए प्रथम स्लैब में निर्दिष्ट दर है।
- (ii) औसत वर्ष दिवस आउटपुट की गणना के लिए सूत्र निम्नवत् है:-

एचएमसी द्वारा लादी गई/उतारी गई कुल मात्रा X 24 घंटे
पोत शुरूआत से संपूर्ण होने तक लिया गया कुल समय

- (iii) कार्गो की लदाई/उताराई की शुरूआत से संपूर्ण होने तक पोत के लिए औसत बर्थ दिवस आउटपुट के अनुसार, क्रेन किराया प्रभार की उपयुक्त दर लादे गए/उतारे गए कार्गो की पूर्ण मात्रा के लिए पत्तन उपयोक्ताओं से वसूली के लिए चयन की जाएगी।
- (iv) यदि एक एचएमसी दूसरे एएमसी अथवा ईएलएल क्रेनों के साथ कार्य करती है, क्रेन के लिए बर्थ दिवस आउटपुट एचएमसी के लोड मीटर द्वारा यथा रिकॉर्ड मात्रा के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।
- (v) एक घंटे से अधिक और पोत के बर्थ छोड़ने तक क्रेन खराब होने की स्थिति में एचएमसी द्वारा प्रहस्तित मात्रा खराबी होने से पहले लदाई/उताराई किए गए कार्गो को क्रेन कार्य घंटों से भाग करते हुए तथा 24 से गुणा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाएगी।
- (vi) एचएमसी पर आरोप्य नहीं कारणों से एक ही बार में दो घंटों से अधिक के लिए एचएमसी का प्रचालन रूकने की स्थिति में, पोत में क्रेन प्रचालन के कुल समय की गणना करते समय क्रेन को उपयुक्त भत्ते की अनुमति दी जाएगी। 2 घंटों से कम के लिए एचएमसी के रूकने को उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विचार में नहीं लिया जाएगा। एचएमसी के कार्य के दौरान लदाई/उताराई प्रचालनों में सभी रूकावटें दैनिक पोत कार्यनिष्पादन रिपोर्ट में डीपीटी के अधिकारियों द्वारा प्रमाणित किए जाने की आवश्यकता होगी।
- (vii) एचएमसी की खराबी /गैर-निष्पादन की वजह से पोत का बर्थ से अन्य बर्थ/लंगरगाह में स्थानांतरण के मामले में पत्तन द्वारा कोई स्थानांतरण प्रभार नहीं वसूला जाएगा।
- (viii) औसत आउटपुट पर विवाद होने की स्थिति में, पत्तन न्यास का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
- (ix) प्रशुल्क सीमाओं को 1 जनवरी, 2018 तथा प्रासंगिक वर्ष के 1 जनवरी के बीच आने वाले थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भिन्नता के केवल 60% प्रतिशत की सीमा तक ही मुद्रास्फीति से सूचकांकित किया जाएगा। प्रशुल्क सीमाओं का ऐसा स्वतः समायोजन प्रत्येक वर्ष किया जाएगा तथा समायोजित प्रशुल्क सीमाएं प्रासंगिक वर्ष के 1 अप्रैल से आगामी वर्ष के 31 मार्च तक प्रभावी रहेंगी।

अनुलग्नक (ख)

(01 अगस्त, 2018 से प्रभावी) दीनदयाल पत्तन न्यास दरमान

निजी प्रचालकों द्वारा संस्थापित तथा प्रचालित की जाने वाली 120 टन क्षमता की हारबर मोबाइल क्रेन (एचएमसी) के उपयोग के लिए प्रभार:

- (i) कतरन कबाड के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
7996 तक	94.36	56.63
7997	99.33	59.60
7998-8997	104.30	62.59
8998-9997	109.27	65.56

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 9997 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

- (ii) परियोजना कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
4199 तक	187.35	112.41
4200	197.21	118.32
4201-5200	207.08	124.24
5201-6200	216.93	130.16

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 6200 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(iii) अन्य बल्क कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
13506 तक	58.26	34.95
13507	61.33	36.79
13508-14507	64.39	38.63
14508-15507	67.46	40.47

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 15507 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(iv) अन्य ब्रेक बल्क कार्गो के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
6400 तक	122.94	73.76
6401	129.41	77.65
6402-7401	135.87	81.53
7402-8402	142.35	85.41

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 8402 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(v) भारी गलनांक कबाड (एचएमएस)

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
4031 तक	187.15	112.29
4032	197.00	118.20
4033-5032	206.86	124.11
5033-6032	216.70	130.02

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 6032 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(vi) ताप कोयले के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
14497 तक	53.38	53.38
14498	56.19	56.19
14499-15498	59.00	59.00
15499-16498	61.81	61.81

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 16498 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(vii) (क) नमक के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
15505 तक	50.74	30.45
15506	53.41	32.05
15507-16506	56.09	33.65
16507-17506	58.75	35.25

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 17506 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(ख) लौह अयस्क के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
15505 तक	49.92	49.92
15506	52.55	52.55
15507-16506	55.17	55.17
16507-17506	57.80	57.80

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 17506 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(viii) खाद्यान्न, पेट कोक, मेट कोक के लिए

औसत दैनिक क्रेन कार्यनिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
9004 तक	87.39	52.43
9005	91.98	55.19
9006-10005	96.58	57.95
10006-11005	101.19	60.71

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 11005 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(ix) स्टील कोयलों के लिए

औसत दैनिक केन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
10314 तक	76.28	45.77
10315	80.30	48.18
10316-11315	84.32	50.58
11316-12315	88.33	52.99

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 12315 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(x) जिप्सम, एमओपी, उर्वरक (डीएपी+ यूनिया) के लिए

औसत दैनिक केन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
12498 तक	62.95	37.77
12499	66.26	39.76
12500-13499	69.58	41.74
13500-14599	72.90	43.74

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 14599 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

(xi) लकड़ी के लट्टों के लिए

औसत दैनिक केन कार्यानिष्पादन (मीट्रिक टन में)	अधिकतम दर प्रति टन (रु. में)	
	विदेशी	तटीय
3174 तक	245.84	147.51
3175	258.78	155.27
3176-4175	271.73	163.04
4176-5175	284.66	170.80

टिप्पणी: ऊपर दर्शाई गई वृद्धिशील अधिकतम दरों की गणना करने के लिए, प्रथम हजार टनों के लिए आधार दर में 105% की वृद्धि की गई थी और दूसरे हजार टनों के लिए आधार दर में 110% की वृद्धि की गई थी। 5175 टन के बाद दर की गणना करने के लिए भी यही कार्यपद्धति अपनाई जानी चाहिए।

टिप्पणियां:

- (i) 120 टन एचएमसी के लिए दर का निर्धारण दीनदयाल पत्तन न्यास को 100 टन एचएमसी की तैनाती करने से निषिद्ध नहीं करता है। यदि 100 टन एचएमसी की अनुमति दी जाती है तो 100 टन एचएमसी के लिए आधार दर प्रत्येक कार्गो के लिए प्रथम स्लैब में निर्दिष्ट दर है।
- (ii) औसत वर्ष दिवस आउटपुट की गणना के लिए सूत्र निम्नवत् है:-

एचएमसी द्वारा लादी गई/उतारी गई कुल मात्रा X 24 घंटे

पोत शुरूआत से संपूर्ण होने तक लिया गया कुल समय

- (iii) कार्गो की लदाई/उताराई की शुरूआत से संपूर्ण होने तक पोत के लिए औसत बर्थ दिवस आउटपुट के अनुसार, क्रेन किराया प्रभार की उपयुक्त दर लादे गए/उतारे गए कार्गो की पूर्ण मात्रा के लिए पत्तन उपयोक्ताओं से वसूली के लिए चयन की जाएगी।
- (iv) यदि एक एचएमसी दूसरे एएमसी अथवा ईएलएल क्रेनों के साथ कार्य करती है, क्रेन के लिए बर्थ दिवस आउटपुट एचएमसी एचएमसी लोड मीटर द्वारा यथा रिकॉर्ड मात्रा के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।
- (v) एक घंटे से अधिक और पोत के बर्थ छोड़ने तक क्रेन खराब होने की स्थिति में एचएमसी द्वारा प्रहस्तित मात्रा खराबी होने से पहले लदाई/उताराई किए गए कार्गो को क्रेन कार्य घंटों से भाग करते हुए तथा 24 से गुणा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाएगी।
- (vi) एचएमसी पर अनारोप्य कारणों से एक ही बार में दो घंटों से अधिक के लिए एचएमसी का प्रचालन रूकने की स्थिति में, पोत में क्रेन प्रचालन के कुल समय की गणना करते समय क्रेन को उपयुक्त भत्ते की अनुमति दी जाएगी। 2 घंटों से कम के लिए एचएमसी के रूकावटों को उपयुक्त प्रयोजन के लिए विचार में नहीं लिया जाएगा। एचएमसी के कार्य के दौरान लदाई/उताराई प्रचालनों में सभी रूकावटें दैनिक पोत कार्यनिष्पादन रिपोर्ट में डीपीटी के अधिकारियों द्वारा प्रमाणित किए जाने की आवश्यकता होगी।
- (vii) एचएमसी की खराबी /गैर-निष्पादन की वजह से पोत का बर्थ से अन्य बर्थ/लंगरगाह में स्थानांतरण के मामले में पत्तन द्वारा कोई स्थानांतरण प्रभार नहीं वसूला जाएगा।
- (viii) औसत आउटपुट पर विवाद होने की स्थिति में, पत्तन न्यास का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
- (ix) प्रशुल्क सीमाओं को 1 जनवरी, 2018 तथा प्रासंगिक वर्ष के 1 जनवरी के बीच आने वाले थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भिन्नता के केवल 60% प्रतिशत की सीमा तक ही मुद्रास्फ़ीति से सूचकांकित किया जाएगा। प्रशुल्क सीमाओं का ऐसा स्वतः समायोजन प्रत्येक वर्ष किया जाएगा तथा समायोजित प्रशुल्क सीमाएं प्रासंगिक वर्ष के 1 अप्रैल से आगामी वर्ष के 31 मार्च तक प्रभावी रहेंगी।
- (x) अनुमोदित दरें, सूचकांकन के अधीन, आदेश के प्रभावी होने की तारीख से पांच वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेंगी।

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

Mumbai, the 8th August, 2018

No. TAMP/29/2018-DPT.— In exercise of the powers conferred under Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby approves the proposal of the Deendayal Port Trust (DPT) for fixation of Hire Charges of DPT owned Harbour Mobile Cranes of 120T capacity as in the Order appended hereto.

Tariff Authority for Major Ports

Case No.TAMP/29/2018-DPT

Deendayal Port Trust

- - -

Applicant

QUORUM

- (i) Shri. T.S. Balasubramanian, Member (Finance)
- (ii) Shri. Rajat Sachar, Member (Economic)

ORDER

(Passed on this 31st day of July 2018)

This case relates to the proposal received from Deendayal Port Trust (DPT) for fixation of Hire Charges of 2 nos. of DPT owned Harbour Mobile Cranes (MHC) of 120T capacity at Dry Cargo Berths.

2. Before bringing out the submissions made by the DPT in its current proposal of March 2018, it is relevant here to mention that this Authority had passed an Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016 fixing ceiling tariff under Tariff Policy, 2015 following normative approach for grant of license by DPT to service provider for Supply, Installation, Commissioning, Operation, and Maintenance of 6 nos. of 100 T or above capacity, owned / hired MHC at Berth Nos.7 to 9 inside port for a period of 10 years for handling dry cargo on common user basis based on the

proposal filed by the DPT. In the said Order, this Authority has approved rate based on cost calculation for 124 T MHC. The SOR also provides rate for 100 T MHC by way of note no.(i) prescribed under the schedule of rates. The Order dated 17 September 2016 was notified in the Gazette of India on 28 September 2016 vide Gazette No.357. The validity on the rate prescribed is for period of 10 years subject to indexation in rate with base year January 2016 as stipulated in clause (ix) of the notes.

3.1. Now, the DPT vide its letter dated 27 March 2018 has submitted its proposal for fixation of Hire Charges for DPT owned MHC of 2 nos. of 120T capacity at Dry Cargo Berths including Comprehensive AMC with Operation for 5 years. The DPT has proposed to adopt the rate prescribed in the Order dated 17 September 2016 which is also for the capacity closer to 120 T.

3.2. The main points made by DPT in its letter dated 27 March 2018 are summarized below:

- (i) Considering the recommendation of Boston Consultancy Group (BCG), initially, the tender was invited for Grant of License for Supply, Installation, Commissioning, Operation and Maintenance of 4 Nos. of 100 MT or above owned / hired Mobile Harbour Cranes at Berth Nos.7 to 9 inside DPT for a period of 10 years for handling the cargo on common user basis.

But, due to non-response from any bidder for about a year, the tender was discharged and it was decided to go ahead with procurement of two numbers of MHC of 100 Ton or above capacity by DPT for which the capital estimate of `94.06 crores was approved by the Board of Trustees of the Port at its meeting held on 11 November 2016 for procurement of 02 nos. of MHCs. Accordingly, as approved by the Board at its meeting held on 12 May 2017, the letter of Intent for procurement of 02 nos. of MHC has been placed on M/s. Italgru. Srl., Italy on 22 May 2017. The cranes are expected to be delivered in the last week of March 2018 or first week of April 2018.

- (ii) Earlier, the TAMP, vide letter No.TAMP/32/2016-KPT dated 04 October 2016 had communicated the approval to the proposal of DPT for fixation of tariff for grant of license to service provider for Supply, Installation, Commissioning, Operation and maintenance of 06 Nos. of 100T or above MHC at Berth No.7 to 9 inside DPT of a period of 10 years for handling the cargo on common user basis. However, the tender for grant of license to service provider for 100T or above MHCs has been discharged.

- (iii) Since DPT has already placed an order for procurement of 02 nos. of 120T capacity of new MHC alongwith 06 nos. of grabs, approval of tariff for the new cranes is required. TAMP is empowered to approve the rates for MHCs as per para 9.2 of the notification No.TAMP/21/2009-WS dated 21 January 2015.

- (iv) Hence, approval is sought for fixation of the tariff for 120 T capacity of MHC of DPT, as already approved and applicable for 124 T capacity of MHC, vide notification on 357 dated 28 September 2016, as per para No.9.2 of the TAMP notification dated 21 January 2015. The schedule for the proposed rates with conditionalities as per the Order dated 28 September 2016 is attached. The above proposal has approved by the Chairman, DPT, subject to ratification by the Board.

- (v) In view of the above, the DPT has requested to consider and approve the rates proposed for DPT's 120T capacity of MHCs as proposed at Annexure – III, as per para 9.2 of the Order no.TAMP/21/2009-WS dated 21 January 2015.

3.3. The DPT has furnished the proposed draft SOR along with conditionalities as approved for 124T HMC vide Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016 along with the proposal.

3.4. The rates and conditionalities proposed by DPT as prescribed in September 2016 Order are as follows:

Charges for use of Harbour Mobile Crane (HMC) of 124T capacity to be installed and operated by the private operators:

- (i) For Shredded Scrap

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 7996	91.35	54.82
7997	96.16	57.70
7998-8997	100.97	60.59
8998-9997	105.78	63.47

(ii) For Project cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 4199	181.37	108.82
4200	190.92	114.55
4201-5200	200.47	120.28
5201-6200	210.01	126.01

(iii) For Other bulk cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 13506	56.40	33.84
13507	59.37	35.62
13508-14507	62.34	37.40
14508-15507	65.31	39.18

(iv) For Other break bulk cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 6400	119.02	71.41
6401	125.28	75.17
6402-7401	131.54	78.93
7402-8402	137.81	82.69

(v) For Heavy Melting Scrap (HMS)

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 4031	181.18	108.71
4032	190.72	114.43
4033-5032	200.26	120.15
5033-6032	209.79	125.87

(vi) For Thermal Coal

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 14497	51.68	51.68
14498	54.40	54.40
14499-15498	57.12	57.12
15499-16498	59.84	59.84

(vii) (a) For Salt

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 15505	49.12	29.48
15506	51.71	31.03
15507-16506	54.30	32.58
16507-17506	56.88	34.13

(b) For Iron Ore

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 15505	48.33	48.33
15506	50.87	50.87
15507-16506	53.41	53.41
16507-17506	55.96	55.96

(viii) For Food grains, pet coke, met coke

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 9004	84.60	50.76
9005	89.05	53.43
9006-10005	93.50	56.10
10006-11005	97.96	58.77

(ix) For Steel coils

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 10314	73.85	44.31
10315	77.74	46.64
10316-11315	81.63	48.97
11316-12315	85.51	51.30

(x) For Gypsum, MOP, Fertilizer (DAP+ urea)

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 12498	60.94	36.57
12499	64.15	38.49
12500-13499	67.36	40.41
13500-14599	70.57	42.34

(xi) For Timber logs

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 3174	238.00	142.80
3175	250.53	150.32
3176-4175	263.06	157.84
4176-5175	275.58	165.35

Notes:

- (i) Prescription of rate for 124T HMC does not prohibit the Kandla Port Trust to permit deployment of 100T HMC. If a 100T HMC is permitted, the base rate for 100T HMC is the rate indicated in the first slab for each cargo group.
- (ii) The formula for calculation of average berth-day output is as follows:-
- $$\frac{\text{Total Quantity loaded / unloaded by HMC}}{\text{Total time taken from vessel commencement to completion}} \times 24 \text{ hrs.}$$
- (iii) According to the average berth-day output for the vessel from commencement to completion of loading / discharge of cargo, the appropriate rate of crane hire charge will be chosen for recovery from Port users for the full quantity of cargo loaded / discharged.
- (iv) If one HMC works with another HMC or ELL crane/s, the Berth-day output for the crane will be ascertained on the basis of the quantity as recorded by the HMC's load meter.
- (v) In case of breakdown of the crane for more than one hour till the vessel leaves the berth, the quantity handled by HMC will be determined taking into account cargo loaded/ discharged prior to break-down divided by crane working hours and multiplied by 24.
- (vi) In case of stoppages of operation of HMC for more than two hours at a stretch for reasons not attributable to the HMC, appropriate allowance will be allowed to the crane while calculating the total time of crane operation in the vessel. Stoppages of HMC for less than 2 hours will not be taken into consideration for the above purpose. No allowance will be allowed for stoppages attributable to the HMC. All stoppages in loading / unloading operations during working of HMC are required to be certified by the Stevedore of the vessel in the daily vessel performance report.

- (vii) In case shifting of a vessel becomes necessary due to breakdown / non-performance of HMC, the shifting charges of the vessel from berth to anchorage will be recovered from the crane operator in addition to a penalty of ₹1,00,000/- (Rupees one lakh) only . The shifting charges so recovered will be refunded to the vessel's agent while the penalty will be retained by the Port.
- (viii) In case of dispute on the average output, the decision of the Port Trust will be final and binding.
- (ix) The tariff caps will be indexed to inflation but only to an extent of 60% of the variation in Wholesale Price Index (WPI) occurring between 1 January 2016 and 1 January of the relevant year. Such automatic adjustment of tariff caps will be made every year and the adjusted tariff caps will come into force from 1 April of the relevant year to 31 March of the following year.
- (x) The rates approved shall remain in force till approval of next general revision of scale of rates for tariff of DPT.

[The DPT proposal dated 27.03.2018 made a mention of the project for five years.]

4. Before acknowledging the DPT proposal dated 27 March 2018, the DPT vide our letter dated 17 April 2018 was requested to furnish documents/ clarifications on a few points by 23 April 2018. In response, the DPT vide its email dated 23 April 2018 has furnished its reply. A summary of documents/ clarifications sought by us and reply furnished by DPT are tabulated below:

Sl. No.	Information/ clarification sought by us	Reply furnished by DPT
(i).	<p>The subject proposal of DPT seeks approval for Hire Charges with respect to grant of License for Design, Manufacture, Supply, Erection, Testing, Commissioning and Operation of 2 nos. of 120T capacity of MHC at Dry Cargo, Berths including Comprehensive AMC with Operation for a period of 5 years.</p> <p>As brought out by DPT, the Authority has passed an Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17.09.2016 fixing ceiling tariff under Tariff Policy, 2015 following normative approach for grant of license to service provider for Supply, Installation, Commissioning, Operation, and Maintenance for 124 MT MHC at Berth Nos.7 to 9 inside Kandla Port for a period of 10 years for handling dry bulk and break bulk cargo items on common user basis based on the proposal filed by the DPT. The SOR approved also provides rate for 100T MHC in the first slab by way of note (i) in the SOR. The validity on the rate is prescribed for period of 10 years subject to indexation in rate as stipulated in clause (ix) of the notes.</p> <p>The port has, now, filed the subject proposal seeking rate for 120 T MHC adopting the same rates as already approved in Order dated 17 September 2016 for 124T MHC.</p> <p>In this regard, information / clarification to be furnished on the following points:</p>	--
(a)	<p>(i) With reference to the said proposal reference is drawn to clause 5.7.1 of the Working guidelines. As per clause 5.7.1 of the Working guidelines, for regulation of charges by service providers authorised by ports, the ports need to file a proposal under various methods mentioned therein, in case there is no ceiling tariff prescribed in the concerned Port for a particular service / facility.</p> <p>(ii) Further, as per para no.9.3 of Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17.09.2016, the rate approved by the Authority for 124T MHC is a ceiling rate and will apply commonly at the port for identical facility/ service offered at the port without reference to any particular service provider.</p>	<p>The rates approved by the Authority vide Order dated 17.09.2016, notified vide G.N. No. 357 dated 28.09.2016, were for 124 MT HMC to be granted on License basis for handling of bulk & break bulk cargo items on common user basis. Whereas the present proposal of the DPT is to adopt the rates already approved by TAMP vide Order dt. 17.09.2016 for Port owned 120T MHC as per Para 9.2 of the TAMP notification dt. 21.01.2015.</p>

	(iii) As stated in above para, hire charge for 124T HMC approved by the Authority on common user basis, vide Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17.09.2016 is valid for period of 10 years subject to indexation in rate. The proposal of DPT is to adopt the same rate for 120T HMC for a period of 5 years. When valid HMC rate for 124 Tonne capacity HMC is available, the reasons for filing a separate proposal seeking approval of the same rate for 120T HMC is not clear.	
(b)	The DPT may, therefore, clarify as to whether the productivity, capital cost, operating cost and ARR for the proposed 120T MHC are dis-similar to the productivity, capital cost, operating cost and ARR considered Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17.09.2016 in the tariff fixation for 124T MHC. If so, DPT may file the proposal with relevant cost statement and draft SOR.	It is to clarify that Productivity, capital cost, operating cost & ARR for the proposed 120T HMC are almost similar to the productivity, capital cost, operating cost and ARR considered vide Order No. TAMP/32/2015-KPT dt. 17.09.2016 in the tariff fixation for 124 MT MHC.
(c)	The proposal of DPT will be taken up for further processing only after the receipt of requisite clarification from the port.	It is requested that proposed rates may be approved for a period till next General revision of Scale of rates of DPT, instead of for 5 years as proposed vide letter dt. 27.03.2018 as proposed cranes being DPT owned cranes, same shall be considered for review in the next General Revision of Scale of rates of DPT, which is due from 01.04.2019.

5. In accordance with the consultative procedure prescribed, a copy of the proposal of DPT dated 27 March 2018 was forwarded vide our letter dated 27 April 2018 to the concerned users/ user organisations seeking their comments. We have not received any comments except from Kandla Stevedores Association Limited (KSAL) vide its email dated 11 May 2018. The comments received from the KSAL were forwarded to the DPT as feedback information. The DPT has responded to comments of KSAL vide its email dated 27 June 2018.

6. A joint hearing on this case in reference was held on 11 June 2018 at DPT premises. The DPT made a power point presentation of its proposal. At the joint hearing, the DPT and the concerned users/ user organizations have made their submissions.

7.1. Subsequent to the joint hearing, the DPT vide its email dated 27 June 2018 has proposed a few modifications in the conditionalities proposed by it earlier. The modification done by the DPT are as follows:

- (i) Note (vi) relates to how stoppages of operation of HMC for more than two hours at a stretch for reasons not attributable to the HMC is to be considered for calculation of crane operating hours. The said note stipulates that all stoppages in loading / unloading operations during working of HMC are required to be certified by Stevedore of the vessel. The DPT has replaced the word “stevedore of the vessel” with the word “DPT officers”.
- (ii) The proposed note no.(vii) stated that in case shifting of a vessel becomes necessary due to breakdown/ non-performance of HMC, the shifting charges of the vessel from berth to anchorage will be recovered from the crane operator in addition to a penalty of ₹1,00,000/- (Rupees one lakh) only. The shifting charges so recovered is refunded to the vessel’s agent while the penalty will be retained by the Port.

The DPT has now proposed to modify the said note stating that no shifting charges shall be levied by the Port in case shifting of a vessel from berth to another berth/ anchorage become necessary due to break down/ non-performance of HMC. The proposed modification is because MHC is owned by DPT and operated by DPT.

7.2. Subsequently, DPT vide its email dated 28 June 2018 has furnished revised proposed rates updating the rates approved in September 2016 with 1.20% indexation i.e. 60% of 2% WPI indexation announced by the Authority for the year 2017-18 in line with note no.(ix) of the adopted SOR schedule of hire charges for HMC.

7.3. The DPT vide its email dated 02 July 2018 has further stated that the 2 nos. of MHCs have been commissioned with effect from 07 May 2018. Hence, DPT has requested to approve tariff with effect from 07 May 2018.

7.4. The DPT vide its email dated 04 July 2018 has further stated that the Board of Trustees of DPT, in meeting held on 28 March 2018 vide resolution no.138, has ratified the action taken for submission of tariff proposal to TAMP for adoption of the tariff already approved by the Authority vide Order dated 17 September 2016 and applicable for 124 T MHC, for 2 nos. of 120T MHC of DPT and also approved to adopt the rates already notified by TAMP provisionally, as mentioned above, till the approval of TAMP is received for fixation of tariff. A copy of relevant extract of Board resolution no.138 is furnished by DPT.

8. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the comments received and arguments made by the concerned parties will be sent separately to them. These details will also be made available at our website <http://tariffauthority.gov.in>.

9. With reference to totality of the information collected during the processing of this case, the following position emerges:

- (i) The proposal of the Deendayal Port Trust (DPT) is for fixation of Hire Charges of DPT owned 2 nos. of Harbour Mobile Cranes (MHC) of 120T capacity at Dry Cargo Berths adopting the tariff approved by this Authority vide Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016.

As already brought out in the factual position, the DPT had earlier filed the proposal following the principles of tariff guidelines of 2008 under Tariff Policy, 2015 following normative approach for grant of license by DPT to service provider for Supply, Installation, Commissioning, Operation, and Maintenance of 6 nos. of 100 MT or above, owned / hired MHC at Berth Nos.7 to 9 inside Kandla Port for a period of 10 years for handling dry cargo on common user basis. Based on the proposal filed by the DPT, this Authority had passed an Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016 fixing ceiling tariff for Supply, Installation, Commissioning, Operation, and Maintenance of 124 T MHC. The validity of the rates approved in the said Order is for ten years upto October 2026 subject to indexation of the prescribed rate at 60% of WPI with base year 01 January 2016.

The port invited tenders based on the approved rate. However, due to non-response from any bidder for about a year, the DPT has discharged the tender. The port, with the approval of its Board of Trustees, had procured two numbers of MHC of 120 tonne capacity by DPT. The said cranes are already in operation from 07 May 2018 and DPT has sought the approval of proposed rate from 07 May 2018.

The DPT has, therefore, filed a proposal seeking approval of tariff for 120 T HMC owned by DPT adopting ceiling tariff fixed by this Authority vide Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016 for 124 T MHC.

- (ii) (a) As per clause 5.7.1. of Working Guidelines notified by this Authority to operationalize the Tariff Policy, 2015, for new cargo / services, the concerned Major Port Trust shall adopt the tariff prescribed for the similar service/ facility prescribed in any other Major Port Trust. If that option is not feasible, the Port Trust may propose tariff based on optimal capacity following the principles of 2008 guidelines or based on rated capacity or alternatively port can file the proposal based on cost plus 16% ROCE.
- (b) In DPT SOR, MHC rate for 60 T is prescribed for port owned MHC. No rate is prescribed in SOR of DPT for port owned MHC of 120T. The hire charges for 124T HMC approved in September 2016 Order was for service provider to be authorized by the port for deploying the MHC. Since that did not materialize, port has itself procured 2 nos. of own HMC of 120T. The port has sought approval of tariff adopting the rate already approved in September 2016 Order which was normative based and following principles of Tariff Guidelines 2008. Clause 5.7.1. of the Working Guidelines requires port to prescribe performance standards also while tariff for new cargo / service is proposed. In this regard, it is to state that the DPT has proposed performance linked tariff structure adopting the Schedule prescribed in the Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016. The proposal of DPT fits in the options prescribed in clause 5.7.1. of Working Guidelines for new facility / services. Hence, this Authority is inclined to consider the proposal of DPT. Incidentally, none of the users / user organizations have commented adversely on the approach adopted by DPT of proposing to adopt the tariff fixed vide Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016. The Kandla Stevedores Association Limited (KSAL) has made certain observations regarding penal clause which are discussed in the subsequent paragraphs.

- (iii) The DPT in the original proposal dated 27 March 2018 had proposed identical rates and conditionalities as prescribed in the tariff Order dated 17 September 2016. Subsequently, during the processing of this case the DPT has made a few modifications as discussed below:

- (a) In the tariff schedule for 124T MHC approved by this Authority vide Order No.TAMP/32/2016-KPT dated 17 September 2016, note no.(vii) prescribed that indexation in the prescribed rate shall be at 60% of WPI with base year as 01 January 2016. Since the base year of WPI for indexation in the said Order is prescribed as 1 January 2016, the DPT has vide its email dated 28 June 2018 proposed indexed rate after applying 1.20% escalation i.e. 60% of 2% of the annual escalation announced by this Authority for Major Ports under Tariff Policy, 2015 for the year 2017-18. It is relevant here to state that recently this Authority has announced indexation factor at 3.45% for Major Ports with effect from 01 August 2018 for the year 2018-19.

Thus, the indexed SOR arrived by DPT need to be further indexed at 60% of 3.45% i.e. 2.07% for the year 2018-19 effective from 01 August 2018.

Therefore, the indexed SOR proposed by DPT is further indexed for the year 2018-19 applying applicable indexation factor of 2.07% i.e. 60% of 3.45% for the year 2018-19 effective from 01 August 2018. Since the DPT has sought approval of the rate from 7 May 2018, the indexed SOR as proposed by DPT by its letter dated 28 June 2018 will be effective from 7 May 2018 to 31 July 2018.

- (b) The note no.(vi) prescribed by this Authority in September 2016 Order, relates to how stoppages of operation of HMC for more than two hours at a stretch for reasons not attributable to the HMC is to be considered for calculation of crane operating hours. The said note stipulates that all stoppages in loading / unloading operations during working of HMC are required to be certified by Stevedore of the vessel. The word “Stevedore of the vessel” is replaced with the word “DPT officers” as the DPT is going to operate MHC on its own through outsourcing contract. The said modification is apt and hence is approved as proposed by the DPT.
- (c) The note no.(vii) prescribed in September 2016 Order stipulates that in case shifting of a vessel becomes necessary due to breakdown / non-performance of HMC, the shifting charges of the vessel from berth to anchorage will be recovered from the crane operator in addition to a penalty of ₹1,00,000/- (Rupees one lakh) only. The shifting charges so recovered is to be refunded to the vessel's agent while the penalty to be retained by the Port. The DPT has now proposed to modify the said note no.(vii) in view of the objections raised by KSAL on said note. The DPT has proposed to modify the said note stating that no shifting charges shall be levied by the Port in case shifting of a vessel from berth to another berth/ anchorage become necessary due to break down/ non-performance of HMC. The proposed modification is because MHC is owned by DPT and operated by DPT. Therefore, the said modification is approved as proposed by the DPT.
- (d) The note (x) of the September 2016 Order approving reference tariff for 124T HMC stipulates that rate approved shall be in force for ten years subject to the indexation. The DPT while adopting the rate from the said Order has proposed to modify the note no.(x), prescribed in September 2016 Order. The modified note proposed by the DPT is that the rates approved shall remain in force till approval of next general revision of scale of rates for tariff of DPT instead of 5 years earlier proposed by DPT in subject itself.

The existing general Scale of Rates of DPT for the port as a whole is valid till 31 March 2019. Citing that the port owned MHC will form part of the general SOR of DPT which falls due for revision from 01 April 2019, the port has proposed modified note prescribing validity of the rate for 124 T MHC till next revision of SOR so that they can review the item along with the SOR.

Generally, the rates approved by this Authority have validity for three years period. In the instant case the DPT has given the HMC for operation and Comprehensive Maintenance on contract for a period of five years.

It is relevant to state that the KOPT in its proposal seeking tariff for Floating Crane facilities on licence basis for a period of 15 years had proposed validity of the tariff for a period of 15 years subject to the indexation to ensure that there is stability in the rate. Likewise, at NMPT, this Authority had approved hire charge for 100T HMC to be provided by authorised service provider. The NMPT citing that the validity of the approved rate for HMC has expired has sought extension of the approved rate till the contract is over. The proposal of NMPT in this

regard has been approved by this Authority. Based on the above position and also recognising that the DPT proposes to operate this HMC by giving it on contract for period of five years for maintenance and operation of HMC, it is appropriate that the validity of the HMC is approved coterminous with the contract period of five years subject to annual indexation as given in the subsequent paragraphs so that there is stability in the HMC rate.

- (e) Note no.(ix) in September 2016 Order stipulates provision for indexation in the prescribed rate at 60% of the WPI with base year January 2016. The DPT has proposed to delete the said note, in view of the modified note no (x) stated above, since DPT has proposed the validity of the proposed rates till next general revision of SOR i.e. till 31 March 2019. For the reasons cited in the previous paragraphs, the validity of the approved rate is being prescribed for period of five years. That being so, the note in the September 2016 Order relating to indexation in the prescribed rate at 60% of the WPI is prescribed in the SOR with base year as January 2018. The base year for indexation is prescribed as January 2018 as the rates approved in September 2016 Order has been indexed and brought to the base year of January 2018 applying the applicable indexation.
- (iv) (a) The KSAL has pointed out that no penal provision is prescribed for the time lost by vessel and in berth hire charges for underperformance / breakdown of HMC.

The DPT has stated that the contract between DPT and crane operator already contains provisions for penalty in case of non-availability of crane and for not achieving the specified performance standards. The provisions in the contract between DPT and outsourcing party is between two of them and this Authority is not privy to the terms of the contract. More pertinent point made by DPT is that to protect the vessel / vessel agent towards vessel's delay and berth hire incurred, note no. 5 under clause 3.1 B of Chapter-II is already prescribed in the SOR of the DPT. The said note states that no berth hire charges shall be levied for the period when the vessels idle at berths due to break down of port equipment or power failure or any other reasons attributable to the port. Thus, this addresses the point made by KSAL.
- (b) As regards the point made by KSAL for prescription for penalties on outsourced contractor, the DPT has clarified that, the crane is owned and operated by DPT. The contract given to crane operator prescribes provision for penalty for under performance and incentives for better performance. Therefore, the DPT does not find it necessary to prescribe any provision in the SOR.
- (c) The KSAL has pointed out that DPT charges penalty for non-achievement of norms based on circular of September 2015 issued to the trade which does not have approval of this Authority. The DPT may examine and, if necessary, file appropriate proposal seeking approval of this Authority if it falls under section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 in the light of points made by KSAL.
- (v) Ordinarily the rate approved by this Authority shall come into force after expiry of 30 days from the date of notification of the Scale of Rates in the Gazette of India. In the instant case, the DPT has stated that the MHCs have been commissioned with effect from 07 May 2018 and hence DPT has sought approval from 07 May 2018. In view of the submissions made by DPT, the approved rates is made effective from 07 May 2018 as proposed by DPT. The validity of the rates is prescribed for period of 5 years for reasons stated in the earlier paragraphs.

10.1. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority approves the indexed Ceiling Tariff Schedule of Hire Charges of DPT owned 2 nos. MHC of 120T capacity at Dry Cargo berths which is attached as **Annex - (a)** for the period 07 May 2018 to 31 July 2018 and **Annex - (b)** effective from 01 August 2018.

10.2. The rates approved may be deemed to have come into effect from 07 May 2018 and the validity shall remain valid for a period of 5 years.

T.S. BALASUBRAMANIAN, Member (Finance)

[ADVT. III/4/Exty./189/18]

Annex – (a)

[Effective from 07 May 2018 and valid till 31 July 2018]

Deendayal Port Trust
Scale of Rates

Charges for use of Harbour Mobile Crane (HMC) of **120T** capacity to be installed and operated by the private operators:

(i) For Shredded Scrap

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 7996	92.45	55.48
7997	97.31	58.39
7998-8997	102.18	61.32
8998-9997	107.05	64.23

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 9997 tonnes.

(ii) For Project cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 4199	183.55	110.13
4200	193.21	115.92
4201-5200	202.88	121.72
5201-6200	212.53	127.52

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 6200 tonnes.

(iii). For Other bulk cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 13506	57.08	34.25
13507	60.08	36.05
13508-14507	63.09	37.85
14508-15507	66.09	39.65

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 15507 tonnes.

(iv). For Other break bulk cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 6400	120.45	72.27
6401	126.78	76.07
6402-7401	133.12	79.88
7402-8402	139.46	83.68

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 8402 tonnes.

(v). For Heavy Melting Scrap (HMS)

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 4031	183.35	110.01
4032	193.01	115.80
4033-5032	202.66	121.59
5033-6032	212.31	127.38

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 6032 tonnes.

(vi). For Thermal Coal

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 14497	52.30	52.30
14498	55.05	55.05
14499-15498	57.81	57.81
15499-16498	60.56	60.56

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 16498 tonnes.

(vii) (a) For Salt

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 15505	49.71	29.83
15506	52.33	31.40
15507-16506	54.95	32.97
16507-17506	57.56	34.54

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 17506 tonnes.

(b) For Iron Ore

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 15505	48.91	48.91
15506	51.48	51.48
15507-16506	54.05	54.05
16507-17506	56.63	56.63

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 17506 tonnes.

(viii) For Food grains, pet coke, met coke

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 9004	85.62	51.37
9005	90.12	54.07
9006-10005	94.62	56.77
10006-11005	99.14	59.48

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 11005 tonnes.

(ix) For Steel coils

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 10314	74.74	44.84
10315	78.67	47.20
10316-11315	82.61	49.56
11316-12315	86.54	51.92

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 12315 tonnes.

(x) For Gypsum, MOP, Fertilizer (DAP+ urea)

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 12498	61.67	37.01
12499	64.92	38.95
12500-13499	68.17	40.89
13500-14599	71.42	42.85

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 14599 tonnes.

(xi) For Timber logs

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 3174	240.86	144.51
3175	253.54	152.12
3176-4175	266.22	159.73
4176-5175	278.89	167.33

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 5175 tonnes.

Notes:

- (i) Prescription of rate for 120T HMC does not prohibit the Deendayal Port Trust to permit deployment of 100T HMC. If a 100T HMC is permitted, the base rate for 100T HMC is the rate indicated in the first slab for each cargo group.
- (ii) The formula for calculation of average berth-day output is as follows:-

$$\frac{\text{Total Quantity loaded / unloaded by HMC}}{\text{Total time taken from vessel commencement to completion}} \times 24 \text{ hrs.}$$

Total time taken from vessel commencement to completion

- (iii) According to the average berth-day output for the vessel from commencement to completion of loading / discharge of cargo, the appropriate rate of crane hire charge will be chosen for recovery from Port users for the full quantity of cargo loaded / discharged.
- (iv) If one HMC works with another HMC or ELL crane/s, the Berth-day output for the crane will be ascertained on the basis of the quantity as recorded by the HMC's load meter.
- (v) In case of breakdown of the crane for more than one hour till the vessel leaves the berth, the quantity handled by HMC will be determined taking into account cargo loaded/ discharged prior to break-down divided by crane working hours and multiplied by 24.
- (vi) In case of stoppages of operation of HMC for more than two hours at a stretch for reasons not attributable to the HMC, appropriate allowance will be allowed to the crane while calculating the total time of crane operation in the vessel. Stoppages of HMC for less than 2 hours will not be taken into consideration for the above purpose. No allowance will be allowed for stoppages attributable to the HMC. All stoppages in loading / unloading operations during working of HMC are required to be certified by the DPT officers in the daily vessel performance report.
- (vii) No shifting charges shall be levied by the Port in case shifting of a vessel from berth to another berth/ anchorage becomes necessary due to break down/ non-performance of HMC.
- (viii) In case of dispute on the average output, the decision of the Port Trust will be final and binding.
- (ix) The tariff caps will be indexed to inflation but only to an extent of 60% of the variation in Wholesale Price Index (WPI) occurring between 1 January 2018 and 1 January of the relevant year. Such automatic adjustment of tariff caps will be made every year and the adjusted tariff caps will come into force from 1 April of the relevant year to 31 March of the following year.

Annex – (b)

[Effective from 1 August 2018]

Deendayal Port Trust
Scale of Rates

Charges for use of Harbour Mobile Crane (HMC) of **120T** capacity to be installed and operated by the private operators:

- (i) For Shredded Scrap

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 7996	94.36	56.63
7997	99.33	59.60
7998-8997	104.30	62.59
8998-9997	109.27	65.56

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 9997 tonnes.

(ii) For Project cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 4199	187.35	112.41
4200	197.21	118.32
4201-5200	207.08	124.24
5201-6200	216.93	130.16

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 6200 tonnes.

(iii) For Other bulk cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 13506	58.26	34.95
13507	61.33	36.79
13508-14507	64.39	38.63
14508-15507	67.46	40.47

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 15507 tonnes.

(iv) For Other break bulk cargo

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 6400	122.94	73.76
6401	129.41	77.65
6402-7401	135.87	81.53
7402-8402	142.35	85.41

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 8402 tonnes.

(v) For Heavy Melting Scrap (HMS)

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 4031	187.15	112.29
4032	197.00	118.20
4033-5032	206.86	124.11
5033-6032	216.70	130.02

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 6032 tonnes.

(vi). For Thermal Coal

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 14497	53.38	53.38
14498	56.19	56.19
14499-15498	59.00	59.00
15499-16498	61.81	61.81

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 16498 tonnes.

(vii) (a) For Salt

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 15505	50.74	30.45
15506	53.41	32.05
15507-16506	56.09	33.65
16507-17506	58.75	35.25

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 17506 tonnes.

(b) For Iron Ore

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 15505	49.92	49.92
15506	52.55	52.55
15507-16506	55.17	55.17
16507-17506	57.80	57.80

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 17506 tonnes.

(viii) For Food grains, pet coke, met coke

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 9004	87.39	52.43
9005	91.98	55.19
9006-10005	96.58	57.95
10006-11005	101.19	60.71

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 11005 tonnes.

(ix) For Steel coils

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 10314	76.28	45.77
10315	80.30	48.18
10316-11315	84.32	50.58
11316-12315	88.33	52.99

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 12315 tonnes.

(x) For Gypsum, MOP, Fertilizer (DAP+ urea)

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 12498	62.95	37.77
12499	66.26	39.76
12500-13499	69.58	41.74
13500-14599	72.90	43.74

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 14599 tonnes.

(xi) For Timber logs

Average daily crane performance (in Metric Tonne)	Ceiling rate per tonne (in ₹)	
	Foreign	Coastal
Upto 3174	245.84	147.51
3175	258.78	155.27
3176-4175	271.73	163.04
4176-5175	284.66	170.80

Note: To calculate the incremental ceiling rates as shown above, the base rate was enhanced to 105% for first thousand tonnes and for the 2nd thousand tonnes the rate was enhanced to 110% of the base rate. The same methodology shall also be adopted to calculate the rate beyond 5175 tonnes.

Notes:

- (i) Prescription of rate for 120T HMC does not prohibit the Deendayal Port Trust to permit deployment of 100T HMC. If a 100T HMC is permitted, the base rate for 100T HMC is the rate indicated in the first slab for each cargo group.
- (ii) The formula for calculation of average berth-day output is as follows:-

$$\frac{\text{Total Quantity loaded / unloaded by HMC}}{\text{Total time taken from vessel commencement to completion}} \times 24 \text{ hrs.}$$
- (iii) According to the average berth-day output for the vessel from commencement to completion of loading / discharge of cargo, the appropriate rate of crane hire charge will be chosen for recovery from Port users for the full quantity of cargo loaded / discharged.
- (iv) If one HMC works with another HMC or ELL crane/s, the Berth-day output for the crane will be ascertained on the basis of the quantity as recorded by the HMC's load meter.

- (v) In case of breakdown of the crane for more than one hour till the vessel leaves the berth, the quantity handled by HMC will be determined taking into account cargo loaded/ discharged prior to break-down divided by crane working hours and multiplied by 24.
- (vi) In case of stoppages of operation of HMC for more than two hours at a stretch for reasons not attributable to the HMC, appropriate allowance will be allowed to the crane while calculating the total time of crane operation in the vessel. Stoppages of HMC for less than 2 hours will not be taken into consideration for the above purpose. No allowance will be allowed for stoppages attributable to the HMC. All stoppages in loading / unloading operations during working of HMC are required to be certified by the DPT officers in the daily vessel performance report.
- (vii) No shifting charges shall be levied by the Port in case shifting of a vessel from berth to another berth/ anchorage becomes necessary due to break down/ non-performance of HMC.
- (viii) In case of dispute on the average output, the decision of the Port Trust will be final and binding.
- (ix) The tariff caps will be indexed to inflation but only to an extent of 60% of the variation in Wholesale Price Index (WPI) occurring between 1 January 2018 and 1 January of the relevant year. Such automatic adjustment of tariff caps will be made every year and the adjusted tariff caps will come into force from 1 April of the relevant year to 31 March of the following year.
- (x) The rates approved shall remain in force for a period of five years, subject to indexation from the date the Order comes into effect.
